नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

पत्रांक.....

दिनांक : 30.07.2022

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा आज दिनांक 30 जुलाई, 2022 को साप्ताहिक 'व्याख्यान : स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर' में 'पर्यावरणीय समस्याएं एवं मुद्दे' के अन्तर्गत 'प्लास्टिक प्रदूषण : विश्व की एक गम्भीर समस्या' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक प्रदूषण से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान में विद्यार्थियों ने प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले समस्या एवं निदान पर व्यापक चर्चा की।

स्वार्थी एवं उपभोक्तावादी मानव ने पर्यावरण को पॉलीथीन के अंधाधुंध प्रयोग से जिस तरह प्रदूषित किया है। उससे सम्पूर्ण जैव जगत प्रभावित हुआ है। प्लास्टिक का निर्माण पॉलीस्टायरीन, पॉलीविनाइल क्लोराइड, पॉलीइजोप्रीन आदि रसायनो से होता है। जो आम तौर पर 500–1000 वर्षों तक नष्ट नहीं होता है। प्लास्टिक बैग, बोतलें, खिलौनें, इलेक्ट्रनिक उपकरण, पॉलीथीन आदि में विषैले रसायनों का प्रयोग मृदा, जल, वायु एवं मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। वर्तमान समाज पॉलीथीन के दूरगामी दुष्परिणाम एवं दुष्प्रभाव से बेखबर होकर पॉलीथीन को जीवन का हिस्सा मान चुका है। अतः वर्तमान युग को 'प्लास्टिक युग' कहना अतिशयोक्ति नही होगी। प्लास्टिक का उत्पादन एवं निष्पादन पृथ्वी पर सभी प्राणी एवं वनस्पति जगत के लिए खतरा है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा प्लास्टिक उत्पादक देश है। इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने बताया कि प्लास्टिक जैव अपघटन योग्य नहीं है। वर्तमान समय में मानव ने हिमालय की ऊचाईयों एवं महासागरों की तलहटी तक प्लास्टिक का उपयोग किया है। प्रतिवर्ष दुनियाभर में 70000 टन प्लास्टिक अवशिष्ट महासागरों में छोड़े जाते हैं। जिससे व्यापक स्तर पर जलीय जीवों की मृत्यु हो रही है। आगे इस व्याख्यान में 3 आर, रीड्यूज, रीयूज एवं रीसाइकिल पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2022 तक प्लास्टिक के उपयोग को कम करने व प्रतिबन्धित करने का दिशा निर्देश दिया है। इसी क्रम में भारत में 01 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है।

कार्यक्रम में अंकित, प्रशान्त, सुमन, रितेश सिंह, खुशबू, राधेश्याम, रितिका वर्मा, विशाल आदि विद्यार्थियों ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किए। विभागाध्यक्ष एवं उपप्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर चर्चा की एवं दैनिक जीवन में उपयोग न करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तवा एवं संचालन डॉ. नीलम गुप्ता द्वारा किया गया।

इस आयोजन में भूगोल विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ. सुधा शुक्ला

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी